भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3431

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मडगडा केरे में पर्यटन की संभावनाएं

+3431. श्री श्रेयस एम. पटेलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को मडगडा केरे, जिसमें प्राकृतिक सौन्दर्य तथा पारिस्थितिकीय और सांस्कृतिक महत्व का समागम होता है, में पर्यटन की संभावनाओं की जानकारी है;

(ख) क्या सरकार की केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत ग्रामीण और पारिस्थितिकी-पर्यटन संवर्धन पहलों में मडगडा केरे को शामिल करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा सतत् पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए बैठने की जगहों, 'गाइडेड टूर', पर्यावरण अनुकूल आवास और सांस्कृतिक संवर्धन कार्यक्रमों जैसी आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए वित्तपोषण करने पर विचार किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): देश में पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों /संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय संबंधित योजना दिशा-निर्देशों के अनुरूप, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों से परियोजना प्रस्ताव की प्राप्ति के पश्चात 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी योजनाओं के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है। मंत्रालय ने देश में स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है।

कर्नाटक राज्य में एसडी 2.0 और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

योजना का नाम: एसडी 2.0

क्र. सं.	**गंतव्य**	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1	हम्पी	'ट्रैवलर नूक्स' की स्थापना	26.30
2	मैसूरू	"टोंगा राइड हेरिटेज एक्सपीरियंस ज़ोन"	4.12
3	मैसूरू	"इकोलॉजिकल एक्सपीरियंस जोन"	18.36

योजना: प्रशाद

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में)**
1.	'श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71

वर्तमान में, मंत्रालय की स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के तहत मडगडा केरे में पर्यटन विकास संबंधी कार्यों को मंजूरी देने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। हालांकि भारत सरकार ने हाल ही में कर्नाटक में 99.17 करोड़ रुपये की 'रोरिक और देविका रानी एस्टेट टाटागुंज, बेंगलुरु में इको पर्यटन और सांस्कृतिक केन्द्र' और 100 करोड़ रुपये की 'सवदत्ती यल्लम्मदुड्डा, बेलगावी का विकास' नामक 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी हैं।

पर्यटन मंत्रालय अपने सतत संवर्धनात्मक कार्यकलापों के भाग के रूप में ग्रामीण और इको-पर्यटन गंतव्यों सहित देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है। इन प्रचार संबंधी कार्यकलापों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में वेबसाइटों, सोशल मीडिया अभियानों, कार्यक्रमों आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से निष्पादित किया जाता है।

****